ECONOMICS TIMES N.D 20/8/18

बाढ़ से बर्बादी एग्रीकल्चर से लेकर फाइनेंस सेक्टर तक को हो सकता है बड़ा नुकसान

बाढ़ से केरल में बैंकों, टायर फर्मों को लगेगा झटका!

[सनम मीरचंदानी | मुंबई]

केरल में पिछली एक सदी में आई भीषणतम बाढ़ से जहां जनजीवन अस्तव्यस्त है। इसका असर शेयर मार्केट से लेकर कमोडिटी बाजार तक पड़ता दिख रहा है। जिन कंपनियों का केरल में बड़ा कारोबार है, उनको लेकर इनवेस्टर्स की चिंता बढ़ गई है। सबसे ज्यादा नुकसान बैंकों, नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों यानी NBFC और टायर कंपनियों को हो सकता है। फाइनेंस स्पेस में फेडरल बैंक, साउथ इंडियन बैंक, मुथूट कैपिटल सर्विसेज और मणप्पुरम फाइनेंस के कारोबार को चोट पहुंच सकती है। टायर कंपनियों को बड़ा नुकसान हो सकता है क्योंकि ये कंपनियां वहां से बड़े पैमाने पर रबड़ की सोर्सिंग करती हैं। IIFL के हेड ऑफ रिसर्च अभिमन्यु सोफट ने कहा, 'केरल में जिन कंपनियों की व्यापक मौजूदगी है, उन पर ज्यादा असर होगा।' इधर राष्ट्रीय राजधानी के बाजारों में केरल से आने वाले मसालों की आपूर्ति में बाधा पड़ सकने की आशंका के चलते कीमतें चढ़ने लगी हैं।

मुथूट कैपिटल

सीएमपी: 1,147.25

इस साल अब तक बदलाव (%): 82.5

मुथूट कैपिटल का कारोबार प्रभावित हो सकता है क्योंकि इसके 45% टू व्हीलर लोन यहीं के हैं। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग के एवीपी-रिसर्च दिगंत हरिया ने कहा, 'मुथूट कैपिटल मजबूत स्थिति में है। पिछले छह से सात क्वॉर्टर में 30% से ज्यादा ग्रोथ हासिल हुई है। इसमें कई इलाकों में कारोबारी विस्तार, मुथूट फिनकॉर्प के ब्रांच के जरिए क्रॉस सेलिंग और ठोस डिजिटाइजेशन का बड़ा हाथ रहा है।

केरल से बाहर भी मुथूट कैपिटल के कारोबार की ग्रोथ ठोस है। यह टूव्हीलर फाइनेंसिंग स्पेस की चौथी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। थोड़े समय की कारोबारी बाधा को शेयरों में खरीदारी के मौके के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए।'

▶फेडरल बैंक, SIB को झटका पेज 4

मसालों के बाजार में आ रही तेज उछाल

केरल में बाढ़ से बड़े पैमाने पर

फसलों को नुकसान और बुआई प्रभावित होने की आशंका में मसालों के दामों में तेजी शुरू हो गई है। मसालों के होलसेल हब खारी बावली में काली मिर्च, इलायची, सोंठ, जायफल के दाम पिछले कुछ दिनों में ही 20% तक बढ़ गए हैं। ट्रेडर्स के मुताबिक, उपज घटने की आशंका में दाम बढ़ रहे हैं।

पेज 6